



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 83] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 17, 1978/माघ 28, 1899  
No. 83] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 17, 1978/MAGHA 28, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1978

का०आ० 105(अ)/18 एका०बी०आई०डी०आर०ए०/78.—यत् भारत सरकार के  
उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 617 (अ)/18 कक/आई०  
डी०आर०ए०/77, दिनांक 12 अगस्त, 1977 द्वारा मेमर्स इन्दौर टेक्स्टाईल लि०, उज्जैन, मध्य  
प्रदेश का संपूर्ण उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951  
का 65) की धारा 18 कक के उपधारा (1) के खण्ड (b) के अन्तर्गत 11 अगस्त, 1982  
तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, पांच वर्ष की अवधि के लिये ग्रहण कर लिया गया है,

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के सम्बन्ध में अनुसूचित उद्योग अर्थात् वस्त्र उद्योग के उत्पादन के परिणाम में कमी को रोकने की दृष्टि से जनसाधारण के हितों में ऐसा करना आवश्यक है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रदत्त ऐसी सभी नविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों करारों, व्यवस्थापनों, पंचादों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों का (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से सम्बन्धित हैं) प्रवर्तन, जिनका उक्त औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हों, एक वर्ष की अवधि के लिये निलम्बित रहेगा और तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेष अधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिये निलम्बित रहेंगे।

[सं. का० 3 (5)/77-सी०यू०सी०]

जी०वी० रामकृष्णा, अतिरिक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### ORDER

New Delhi, the 17th February, 1978

S.O. 105(E)/18FB/IDRA/78.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 617(E)/18AA/IDRA/77, dated the 12th August, 1977, the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Indore Textiles Limited, Ujjain, Madhya Pradesh, had been taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years upto and inclusive of the 11th August, 1982;

And whereas, the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production in the scheduled industry, namely, textile industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[File No. 3(5)/77-CUC]

G. V. RAMAKRISHNA, Addl. Secy.